प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

महिला सशक्तिकरण में पुरूषों का सहयोग आवश्यक-पद्मा बन्दोपाध्याय

पंतनगर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। ०८ मार्च, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत की पहली महिला एयर मार्शल, श्रीमती पद्मा बन्दोपाध्याय ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार देने, उन्हे पुरूषों के बराबर लाने एवं उनको सशक्त करने के लिए पुरूषों का सहयोग आवश्यक है। अपने विस्तृत सम्बोधन में एयर मार्शल ने कहा कि भारत विरोधाभासों का देश है, जिसमें महिलाओं की शक्ति के रूप में पूजा की जाती है, साथ ही उनके ऊपर अत्याचार भी सबसे अधिक किये जाते है। उन्होंने कहा कि भारत में पश्चिमी देशों से पहले महिलाओं को अधिकार दिये गये किन्तु ये अधिकार केवल १० प्रतिशत महिलाओं को ही प्राप्त हैं, जबकि शेष महिलाएं अभी भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। श्रीमती पद्मा ने शिक्षा को महिलाओं को बराबरी दिलाने हेतु महत्वपूर्ण साधन बताया, साथ ही इस उद्देश्य को प्राप्त करने के अन्य तरीकों का भी जिक्र किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान के अन्त में उन्होंने कहा कि महिलाएं देश की समृद्धि का केन्द्र है तथा पुरूष एवं महिलाओं को कदम से कदम मिलाकर साथ चलते हुए एक दूसरे का पूरक बनना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, ने कहा कि भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में पहले कोई छात्रा नही हुआ करती थी, जबकि अब छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। उन्होंने कहा कि साक्षरता दिन पर दिन बढ़ रही है तथा उत्तराखण्ड में साक्षरता का स्तर लगभग ८० प्रतिशत है, किन्तु इसके बावजुद महिलाओं की बराबरी की बात करना यहां अभी दूर की कोड़ी है। उत्तराखण्ड में कृषि एवं घर का अधिकतर कार्य महिलाओं द्वारा ही किया जाता है, जबकि पुरूष कोई काम न करते हुए भी अधिक अधिकार रखते है। कुलपति ने कहा कि हमें अपने दिल व दिमाग को और खोलना होगा और समाज को हम किस रूप में देखना चाहते है इस पर गौर करना होगा। महिलाओं को बराबरी का दर्जा देकर ही एक अच्छे समाज का निर्माण हो सकता है, उन्होंने कहा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की पूर्व उप महाप्रबन्धक एवं पंतनगर विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा, श्रीमती पूर्णिमा बनर्जी, ने सभी पुरूषों से आवश्यकता पड़ने पर वह एक कदम उठाने के लिए कहा, जिससे वे किसी महिला को सुरक्षा प्रदान कर सकें। उन्होंने महिलाओं द्वारा चलाये गये बैंक के बारे में भी अपना संस्मरण सुनाया, साथ ही पुरूषों एवं महिलाओं को मिलकर इस महिला दिवस को मनाने की बात कही।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय की अधिष्ठाता, डा. उमा मेलकानिया ने सभी का स्वागत करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया तथा विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम के अन्त में रसायन विज्ञान विभाग की प्राध्यापक, डा. अंजना श्रीवास्तव ने सभी का धन्यवाद किया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार प्रकट करती पहली महिला एयर मार्शल, श्रीमती पद्मा बन्दोपाध्याय। मंचासीन कुलपति, डा. जे. कुमार एवं अन्य अतिथि व वैज्ञानिक।